

बर्ष:- 06

अंक:- 06

मुरादाबाद

(Monday)

27 April 2026

पृष्ठ:-8

मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

कर्म न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001



मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

लोकल से ग्लोबल हुआ भारतीय चीज: पीएम बोले- दुनिया की थाली तक पहुंचा भारत का स्वाद;मन की बात में बढ़ाया हौसला

मन की बात में पीएम मोदी ने भारतीय डेयरी सेक्टर और चीज की बढ़ती वैश्विक पहचान पर बात की। उन्होंने कहा कि भारत का स्वाद अब दुनिया भर में अपनी जगह बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में भारत के डेयरी सेक्टर की बढ़ती ताकत और वैश्विक स्तर पर भारतीय चीज की पहचान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत का स्वाद, परंपरा और गुणवत्ता अब दुनिया भर में नई पहचान बना रहे हैं। भारत का स्वाद अब दुनिया तक पहुंच रहा- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा



%हमारे देश में खान-पान की परंपराएं सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं रही हैं। भारतीय चीज भी इसी परंपरा का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि ब्राजील में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय चीज प्रतियोगिता में भारत के दो ब्रांड्स को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर भी खूब हुई। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के डेयरी सेक्टर में तेजी से बदलाव हो रहा है। उन्होंने बताया कि वैल्यू एडिशन के चलते पारंपरिक स्वादों को नई पहचान मिली है और अब भारतीय चीज वैश्विक बाजार में अपनी जगह बना रहा है। भारत के अलग-अलग हिस्सों के खास चीज-प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में बनने वाले खास चीज का भी जिक्र किया। जम्मू-कश्मीर का कालारी चीज, जिसे %मोजरेला ऑफ कश्मीर भी कहा जाता है, लंबे समय से

गुज्जर-बकरवाल समुदाय द्वारा बनाया जाता रहा है। वहीं, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में मिलने वाला छुपीं याक के दूध से तैयार किया जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि इसका स्वाद पहाड़ों की सादगी और नरमी को दर्शाता है। इसके अलावा महाराष्ट्र और गुजरात का टोपली नू पनीर या सुरती चीज भी अपनी अलग पहचान रखता है। लोकल टू ग्लोबल का मजबूत उदाहरण- प्रधानमंत्री ने कहा कि आज कई भारतीय कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश कर रही हैं। नई तकनीक, बेहतर पैकेजिंग और अंतरराष्ट्रीय मानकों के कारण भारतीय उत्पाद अब वैश्विक बाजार और रेस्टोरेंट तक पहुंच रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा भारतीय चीज का उदाहरण हमें दिखाता है कि लोकल से ग्लोबल की दिशा में कैसे आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि

भारत का स्वाद और परंपरा दुनिया के लोगों को नया अनुभव देगी और देश से उनका जुड़ाव भी मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री के अनुसार, भारतीय चीज सिर्फ एक खाद्य उत्पाद नहीं, बल्कि देश की परंपरा और विविधता का प्रतीक है, जो अब दुनिया भर में अपनी पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 133वें एपिसोड में देश की वैज्ञानिक ताकत और अंतरिक्ष उपलब्धियों पर जोरदार संदेश दिया। चुनावी हलचल के बीच भी उन्होंने जनता की भागीदारी और उपलब्धियों को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने साफ कहा कि भारत ने हमेशा विज्ञान को विकास का हथियार माना है और आज वैज्ञानिकों की मेहनत से देश का अंतरिक्ष कार्यक्रम नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जो राष्ट्र निर्माण की रीढ़ बन चुका है। पीएम मोदी ने मन की बात के 133वें एपिसोड में स्कूल बच्चों की छुट्टियों को लेकर संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह समय बच्चों की छुट्टियों का है और सभी बच्चों को चाहिए कि वे अपनी छुट्टियों का पूरा आनंद लें। पीएम मोदी ने बच्चों से यह भी अपील की कि वे सिर्फ मनोरंजन ही न करें, बल्कि इस दौरान कुछ नया सीखने की कोशिश भी करें।

उन्होंने कहा कि छुट्टियों का सही उपयोग बच्चों के विकास में मदद कर सकता है और उन्हें नई चीजें सीखने का अवसर देता है। पीएम मोदी ने मन की बात के 133वें एपिसोड में भारत के डेयरी सेक्टर और पारंपरिक खाद्य संस्कृति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत में खाने-पीने की परंपरा सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और पहचान का हिस्सा भी है। इसी परंपरा का एक अहम हिस्सा भारतीय चीज भी है। पीएम मोदी ने बताया कि हाल ही में ब्राजील में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय चीज प्रतियोगिता में भारतीय चीज ब्रांड्स ने शानदार प्रदर्शन किया और प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किए। इस उपलब्धि की सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत के डेयरी सेक्टर में तेजी से बढ़ा बदलाव हो रहा है। इस क्षेत्र में वैल्यू एडिशन यानी प्रोसेसिंग और नए उत्पादों के जरिए पारंपरिक स्वाद को नई पहचान मिल रही है। पीएम मोदी के अनुसार, आज भारतीय चीज दुनिया के कई देशों में अपनी जगह बना रही है और भारत का स्वाद अब वैश्विक प्लेटों तक पहुंच रहा है, जो देश के लिए गर्व की बात है।

आप का बड़ा एक्शन: भाजपा में गए सात सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग, दल-बदल पर सियासी संग्राम तेज

आप आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने से सियासी घमासान तेज हो गया है। आप ने राज्यसभा सभापति से उनकी सदस्यता खत्म करने की मांग की है। पार्टी का आरोप है कि सांसद पद पर बने रहना नियमों के खिलाफ है। ऐसे में अब दल-बदल कानून के तहत आगे की कार्रवाई पर नजर है। देश की सियासत में एक बार फिर जोरदार सियासी भूचाल आ गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सांसदों के अचानक भाजपा में शामिल होने से राजनीतिक तापमान सातवें आसमान पर पहुंच गया है। विपक्षी दल इस घटनाक्रम को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए केंद्र सरकार पर तीखे आरोप लगा रहे हैं। इसी बीच आप ने पलटवार करते हुए बड़ा दांव खेला है। पार्टी नेता संजय सिंह ने साफ किया है कि पार्टी ने राज्यसभा सभापति से इन सातों सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग की है। आप का आरोप है कि पार्टी छोड़ने के बावजूद सांसद पद पर बने रहना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। अब इस सियासी घमासान में अगला कदम क्या होगा, इस पर सबकी नजर टिकी है। पार्टी नेता संजय सिंह ने जानकारी दी कि आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा के सभापति को एक याचिका दी है, जिसमें उन सात सांसदों की सदस्यता खत्म करने



की मांग की गई है जिन्होंने पार्टी छोड़ दी है। संजय सिंह ने कहा कि ये सांसद अब पार्टी के साथ नहीं हैं, इसलिए उनकी राज्यसभा सदस्यता भी जारी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी छोड़ने के बाद भी ये सांसद अपनी सीट पर बने हुए हैं, जो नियमों के खिलाफ है। दल-बदल कानून क्या है, इस मामले में लागू होगा?

बता दें कि दल-बदल कानून भारतीय राजनीति का एक ऐसा नियम है जो सांसदों और विधायकों को अपनी पार्टी बदलने से रोकने या उस पर कार्रवाई करने के लिए बनाया गया है। यह कानून 1985 में संविधान के 52वें संशोधन के जरिए जोड़ा गया था। इसका मकसद था कि चुने हुए जनप्रतिनिधि चुनाव जीतने के बाद अपनी पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में न चले जाएं, क्योंकि इससे जनता के वोट और भरोसे का अपमान माना जाता है। ऐसे में अगर कोई सांसद या विधायक अपनी पार्टी छोड़ देता है या पार्टी छिप (अनुशासनात्मक आदेश) का

उल्लंघन करता है, तो उसकी सदस्यता खत्म की जा सकती है। इसका फैसला संबंधित सदन के अध्यक्ष या सभापति करते हैं। हालांकि, इस कानून में एक छूट भी है। अगर किसी पार्टी के कम से कम एक-तिहाई सदस्य मिलकर अलग गुट बना लेते हैं (पहले यह नियम था, अब संशोधन के बाद यह बदल चुका है), या किसी पार्टी का विलय दूसरी पार्टी में हो जाता है, तो उस स्थिति में उन्हें अयोग्य नहीं माना जाता। आम आदमी पार्टी के मामले में लागू होगा? अब सवाल यह उठता है कि अगर आम आदमी पार्टी के सांसदों ने पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थामा है, तो क्या उन पर दल-बदल कानून लागू होगा या नहीं। इस बात को ऐसे समझिए कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उन्होंने किस प्रक्रिया से पार्टी छोड़ी और क्या यह त्याग नियमों के अनुसार सही माना गया या नहीं। अंतिम फैसला राज्यसभा या लोकसभा के सभापति के पास होता है, जो सभी तथ्यों की जांच के बाद तय करते हैं कि सदस्यता खत्म होगी या नहीं।

दूसरे चरण के मतदान से पहले कोलकाता पहुंचे अरविंद केजरीवाल, टीएमसी के समर्थन में करेंगे प्रचार

पश्चिम बंगाल चुनाव के आखिरी चरण के लिए अरविंद केजरीवाल कोलकाता पहुंचे हैं। वह ममता बनर्जी के समर्थन में प्रचार करेंगे। इस बात भाजपा और टीएमसी के बीच कड़ा मुकाबला है। विपक्षी एकजुटता के बीच 29 अप्रैल को होने वाला मतदान राज्य की राजनीति के लिए निर्णायक माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी चरण से पहले दृष्टदृष्ट गठबंधन ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत करने के लिए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल शनिवार रात कोलकाता पहुंचे। यहां वह औपचारिक रूप से तृणमूल कांग्रेस (त्रिंका) के चुनाव प्रचार में शामिल हो गए। पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल 2026 को दूसरे चरण का मतदान होगा है। इससे पहले 23 अप्रैल को हुए पहले चरण में 92.88 प्रतिशत रिर्काई मतदान दर्ज किया गया था। अरविंद केजरीवाल का यह दौरा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के



लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। भाजपा इस चुनाव में टीएमसी को कड़ी टक्कर दे रही है। केजरीवाल की मौजूदगी केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्षी एकजुटता का संदेश देगी। उनका मुख्य ध्यान शहरी क्षेत्रों और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (स्क्रू) जैसे मुद्दों पर रहने की संभावना है। बुधवार को होने वाले दूसरे चरण में कोलकाता और दक्षिण बंगाल की 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। 294 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए यह चरण हार-जीत का फैसला करने वाला साबित हो सकता है। उम्मीद है कि केजरीवाल टीएमसी नेताओं के साथ मिलकर संघीय ढांचे और राज्यों के अधिकारों की बात करेंगे। वह दिल्ली और पंजाब में अपनी सरकार के

कामकाज के तरीके को कोलकाता के मध्यम वर्ग और पेशेवरों के सामने रखेंगे और मतदाताओं को लुभाने की कोशिश करेंगे। उनसे पहले हेमंत सोरेन और तेजस्वी यादव जैसे नेता भी ममता बनर्जी के लिए प्रचार कर चुके हैं। दूसरी तरफ, भाजपा भी अपनी जीत का दावा कर रही है। गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी का कहना है कि पहले चरण की सीटों पर भाजपा को बढ़त मिली है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि बंगाल में उनकी पार्टी का समर्थन बढ़ा है। कि उन्होंने अपने लिए शीश महल बनाया है। नबीन ने राघव चड्ढा और अन्य सांसदों के भाजपा में शामिल होने पर कहा कि नेता अब पीएम मोदी के साथ मिलकर देश के विकास के लिए काम करना चाहते हैं। इस बीच, ममता बनर्जी ने अमित शाह के खिलाफ कानूनी मामला दर्ज करने का एलान किया है। उन्होंने शाह के उल्टा लटका देने वाले बयान को हिंसक बताया।

संक्षिप्त समाचार

दीदी अपने गुंडों को गैरेज में बंद रखें, अमित शाह ने दी चुनाव में गड़बड़ी न करने की चेतावनी

पश्चिम बंगाल चुनाव में अमित शाह ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला किया है। उन्होंने दावा किया कि इस बार ममता सरकार वापस नहीं आ रही है। शाह ने टीएमसी के गुंडों को चेतावनी दी कि वे गैरेज में ही बंद रहें, वरना चुनाव के बाद उन्हें उल्टा लटका दिया जाएगा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी रैलियों और रोड शो के जरिए राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कह दिया है कि इस बार बंगाल में ममता दीदी की सरकार चुनकर वापस नहीं आ रही है। इसके साथ ही, उन्होंने चुनाव में गड़बड़ी करने वाले असामाजिक तत्वों को सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि दीदी अपने गुंडों को गैरेज में ही बंद रखें। यह कड़ा संदेश राज्य में होने वाले अगले चरण के मतदान से ठीक पहले दिया गया है। टॉलीगंज में अपने रोड शो के दौरान समाचार एजेंसी एएनआई से खास बातचीत में अमित शाह ने साफ कहा कि इस चुनाव में भाजपा एक बड़ी जीत दर्ज करने जा रही है। हकीकत यह है कि ममता बनर्जी इस बार चुनाव हार रही हैं। जब उनसे ममता बनर्जी द्वारा %हिंसक बयानों% को लेकर कानूनी केस दर्ज कराने की धमकी के बारे में पूछा गया, तो शाह ने पलटवार करते हुए कहा कि ममता दीदी सिर्फ बातें करती हैं। वह कोर्ट में हारती रहती हैं और आगे भी हारती रहेंगी।

सिपाही पारसिंग आउट परेड में बोले सीएम योगी, प्रदेश में खत्म हुआ माफियाराज;अब यहां नहीं होते दंगे

यूपी में एक साथ 60,244 आरक्षियों को पारसिंग आउट परेड हुई। सीएम योगी ने नव आरक्षियों की सलामी ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरक्षी प्रशिक्षण के दौरान बेटियों ने जिस मजबूती, तत्परता, समर्पण व अनुशासन का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। अनुशासन व टीमवर्क का उत्कृष्ट भाव सबसे बड़ी ताकत है। इन सबको समाहित करते हुए देश के लिए सर्वोत्कृष्ट योगदान देने की भावना वर्दीधारी बल का सबसे महत्वपूर्ण अंग होती है। प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, बाद के जीवन में उतना ही कम खून बहाने की नौबत आती है। सीएम योगी रविवार को 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती के अंतर्गत वर्ष 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। रिजर्व पुलिस लाइन में हुए आयोजन में सीएम ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी भी ली। नागरिकों के लिए संवेदनशील होना चाहिए सीएम ने प्रशिक्षण पूर्ण कर दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनने वाली महिला आरक्षियों को बधाई दी और कहा कि सभी ने लगन व अनुशासन के साथ कठोर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अब आप



सबको जनपदों की फील्ड ड्यूटी में जाना है। याद रखिए, कानून अपराधी के लिए जितना कठोर हो, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी आरक्षी प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान, कौशल व मूल्यों का उपयोग करते हुए निष्ठा, ईमानदारी व कर्तव्य परायणता से यूपी पुलिस की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। कई प्रशिक्षण केंद्रों में जाकर देखा, अब बेहतर प्रशिक्षण व सुविधाएं - सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश के 10 पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों, 73 जनपदों की पुलिस लाइंस, 29 पीएसी बटालियनों, 112 रिजर्व ट्रेनिंग सेंटरों में एक साथ आरक्षी दीक्षांत परेड आयोजित की जा रही है। 15 जून 2025 को लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में केंद्रीय गृह व

है, जो 9 वर्ष में अर्जित की गई प्रगति को दर्शाता है। 2017 में टूटे-फूटे बैरक थे, अब 55 जनपदों में हाईराइज भवन-सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले पुलिस के बैरक टूटे-फूटे, खपड़ल व टिनशेड के होते थे, लेकिन अब 55 जनपदों में पुलिस कार्मिकों के बैरक व आवासीय सुविधा के हाईराइज भवन दिखाई देते हैं। प्रशिक्षण केंद्र उत्कृष्ट हो रहे हैं। हर प्रशिक्षु को आधारभूत प्रशिक्षण देने के साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया गया। यूपी पुलिस ट्रेनिंग पोर्टल भी लांच किया गया। शारीरिक प्रशिक्षण को वैज्ञानिक व आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट पीटी प्रोग्राम लागू किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन-सीएम योगी ने इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में मिशन कर्मयोगी के तहत कर्मयोगी पोर्टल पर 5 विशेष मॉड्यूल तैयार किए गए। 32 विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। हाल में संचालित साधना सप्ताह में शासकीय कर्मचारियों ने 1.25 करोड़ कोर्स पूर्ण कर यूपी को देश में पहला स्थान दिलवाया है। यूपी पुलिस ने इसमें 28 लाख कोर्स पूरे किए।

संपादकीय Editorial

Integrated Development of Cities

The city's fabric has become dirty, waiting for you. Every election, the city cries in the ears, but no one understands these tears. As a result, its potential has now transformed into monstrosity. There are at least twenty cities that must be preserved in the future. The inner city must be integrated with the city's outreach. In this context, the city of the past must consolidate its buildings. The Dhumal government inaugurated joint building complexes and mini-secretariats in administrative cities, bringing offices under one roof. In this context, Shimla's district-level offices are being relocated to vacant buildings, a step that will be remembered in the future. Initially, the British established cities through hill stations, or urban life flourished with the emergence of army stations. Subsequently, the development of administrative cities began under the concept of Himachal Nirman, and as land availability dictated, buildings became unwieldy. Today, the city's center has shifted, while historical landmarks are disappearing. Surprisingly, government buildings themselves became part of haphazard development. Land availability was weighed against the preoccupation with development, and the political arena became a battlefield. Therefore, there is a need to transform the face of cities. When the surrounding government complexes are integrated to meet the modern needs of the Nadaun bus stand, it initiates a movement for integrated development. A similar inspiration is being generated for the renovation of the Jwalamukhi bus stand, but now every city needs to change its identity. It's not necessary to find a destination in every city; what's important is to find a solution within the city. Therefore, urban development plans should establish integrated development bridges for two or three cities. Our assembly constituencies are small, so a new plan for creating a common development pool between two or three headquarters should be considered, focusing on a central location for court complexes, vegetable markets, residential colonies, bus stands, and local transport networks. Congestion should be reduced by establishing employee cities between major cities. For example, if employee cities are established between Shimla-Solan, Palampur-Dharamshala, Mandi-Bilaspur, and Una-Hamirpur, not only will the urban economy grow, but common pool offices can also operate in these cities. The state prison administration should also develop three large prisons across the state. For example, developing a large prison around Dehra for Hamirpur, Una, and Kangra districts will ensure efficient and cost-effective prisoner management. Additionally, two more large prisons could be developed in Bilaspur, Mandi, Kullu, Lahaul-Spiti, and at central locations between Solan, Shimla, Kinnaur, and Sirmaur. The state government will need to reduce the presence of several central departments in cities and submit new proposals. Military assets currently concentrated in the heart of Palampur or in Dharamshala Cantonment need to be reduced and relocated elsewhere. Similarly, the police assets and battalion presence in the heart of Dharamshala will need to be relocated elsewhere. All these functions can be accomplished through the state's own Estate Development Authority. If offices and housing for all departments, except education, health, and police, are under one Estate Development Authority, the meaning of development and the discipline of urbanization will change.

Where are we heading? From Kanpur to Kurukshetra, fathers' murders of children are shaking our souls, society is sleeping.

The penal and justice system encompasses more than just punishment; it also requires measures to prevent such heinous crimes from occurring. Panchayats and Chaupals need to be strengthened so that people can come and share their problems and seek counseling. While many disturbing incidents occur daily in the country, the murder of 11-year-old twin daughters by their father in Kanpur, Uttar Pradesh, and the suicide of a couple after the murder of a three-year-old daughter suffering from a rare disease in Kurukshetra, Haryana, have shocked us. We are moving towards becoming a developed India and a world leader, yet what heinous acts are being perpetrated by our so-called civilized society from within. These two incidents indicate the dangers of the collapse of the country's social and family fabric and the loss of sensitivity. In such a situation, it is natural to question who is responsible for all this? Will society, governments, neighborhood committees, and other religious and social organizations continue to ignore this? Or will they find solutions to the problems faced by ordinary people? The penal and justice system encompasses more than just punishment; it also requires measures to prevent such heinous crimes from occurring. Panchayats and community gatherings need to be strengthened so that people can come and share their problems and seek counseling. The reconciliation and counseling system must be completely confidential and highly reliable. The father slit Riddhi and Siddhi's throats in their sleep—the incident that occurred late Saturday night, April 18, in Kidwai Nagar, Kanpur, is heinous and horrific. Shashi Ranjan Mishra, a medical representative, slit the throats of his twin daughters, Riddhi and Siddhi, in their sleep. Shashi Ranjan not only killed his innocent daughters, who loved him deeply, but also shattered the heart of the girls' mother, Reshma, who is inconsolable. She is inconsolable, remembering their daughters. Her tears are unstoppable. It is believed that tension and suspicion in the husband-wife relationship led to the deaths of their daughters. Shashi Ranjan had previously attempted to murder his wife, Reshma. Since then, he has slept in a separate room with his 6-year-old son, Gunnu, and Shashi Ranjan has slept in a separate room with his daughters. After the murders, Shashi Ranjan himself called the police at 3 a.m. During interrogation, he also admitted that he intended to kill his daughters and then commit suicide, but after killing them, he lost the courage. He was so suspicious that he installed CCTV cameras throughout the flat, except for his wife's bedroom. After meeting at a men's beauty parlor in Kanpur 12 years ago, Reshma, a resident of Siliguri, West Bengal, and Shashi Ranjan fell in love, and in 2014, they married. The murder of their daughters and the imprisonment of her husband have shattered the entire family. Reshma is about to return to Bengal, and innocent Gunnu is incapable of understanding this bloody game. Daughter hanged on birthday in Kurukshetra, couple also commits suicide - Similar to Kanpur, on the night of April 19th, in Premnagar, Kurukshetra, Haryana, their 3-year-old daughter, Advika, was killed by her parents on her birthday. Jatinder Kumar (30) and his wife Manju alias Yukta (28) first hanged Advika on Saturday night and then both committed suicide by hanging themselves. Advika's birthday was on Monday, April 20th. She suffered from a serious condition called cerebral hypoxia. This condition deprives a child's brain of adequate oxygen, leading to physical and mental disabilities and epileptic seizures. This condition is considered incurable. The couple hanged their daughter with their mother's scarf and themselves with a rope. They also wrote an 18-20 page suicide note, in which they explained their decision to take this extreme step due to their daughter's illness. Such suicide is called "dyadic suicide." In such a situation, the grieving person incites others to commit suicide or murders and then hangs himself. "Don't remove Advika's sticker from the Thar," Advika's father, Jatinder Kumar, in his suicide note, urged his younger brother, Prateek, who lives in Canada, to keep Advika's sticker on the Thar he bought a month ago. "Keep it as a memory," he said. "Don't delete her photo from your laptop either." These lines reveal how deeply the couple grieved their daughter's loss and how deeply they cherished her memories even at the time of their suicide. When will society, the government, and relatives wake up? These incidents are shocking and force a sleeping society and family to awaken. Will relationships continue to be torn apart daily in this modern, communication-driven era? Will mothers, fathers, and wives continue to be murdered? And now, even children are being murdered. The murderers of these children are none other than fathers. These incidents are undoubtedly alarming and alarming for the country's central Ministry of Social Welfare, Women and Child Development, as well as for these state-level departments. If immediate measures are not taken to increase sensitivity in families and strengthen relationships and foster trust, we will continue to lag behind in the Human Development Index despite reaching the pinnacle of development. Sociologists say that disintegrating families are the biggest cause of stress and personal trauma. Problems like the loss of a child or the illness of a mother or father are timeless, but the tendency to resort to suicide out of fear or grief is new. This must be curbed. Fractured relationships must be mended, and a system must be developed to resolve doubts and problems together. Our social and family system, once a remarkable world, has weakened over the past few decades. Social media is increasingly showing off relationships. Indeed, the media revolution has promoted social media, but it is weakening personal relationships. Friendliness in society and families is diminishing. Social media platforms are used to exchange pleasantries and express joys and sorrows. This has weakened the system of personal interaction, weakening the tradition of supporting each other through joys and sorrows, and maintaining relationships. This Western mindset is eroding Indian society. We have seen and continue to see mentally ill, disabled, children with serious illnesses, the elderly, and young people in many families. However, with nuclear families, the trend of treating every problem as personal has intensified. We share information, but we are becoming stingy in addressing our own and others' suffering, considering it our own. Our timeless tradition of standing together in times of crisis and offering encouragement and support is weakening. The Sangh's Family Enlightenment is the solution: The Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS), the country's largest social organization, has launched a unique campaign of family enlightenment to reunite broken families and a disintegrating society. This initiative has been renewed in the Sangh's centenary year. Under this initiative, family members are encouraged to sit together for an hour at least once a week, eat meals together, and turn off televisions and mobile phones during this time. Additionally, conferences are being organized for people of different age groups, teaching them about family values and their preservation. Millions of RSS volunteers are engaged in restoring familial and social trust within their families and those around them. Civilized, cultured, and joint families are the hallmark of India; their restoration is absolutely essential. Otherwise, future generations will be devastated, and in the era of the social media revolution, our united society will crumble and disintegrate. If necessary, we must not hesitate to rein in social media, because excess is prohibited everywhere. In this era of globalization, only those countries will survive whose social roots are strong and mutual trust is maintained. Helplines are proving helpful: The central government has launched the Jeevansathi helpline 18002333330 for suicide prevention and emergency medical assistance. You can also call the Telemans helpline number 1800914416. Here, your identity is kept completely confidential, and immediate help is provided.

Earth's Crisis: The Need for Scientific Awareness

Scientists at the Stockholm Resilience Centre have developed a framework of "planetary boundaries," which defines nine limits within which humanity can safely develop. In the infinite depths of the universe, Earth is the only known planet where the seed of life has sprouted. Over its nearly 4.5 billion years of geological history, Earth has experienced many ups and downs, but the period it is currently experiencing is what scientists call the "human-influenced era" (Anthropocene). This is a period where the greatest cause of Earth's ecosystem and geological changes is not natural phenomena, but human activities. Earth Day is not merely an annual ritual of tree planting, but a day to analyze the scientific facts that point to the looming threat to our existence. Planetary Boundaries and Ecological Imbalance Scientists at the Stockholm Resilience Centre have developed a framework of "planetary boundaries," which defines nine limits within which humanity can safely develop. Research shows that we have already crossed six thresholds. These include climate change, biodiversity loss, and imbalances in the nitrogen and phosphorus cycles. When we cross these thresholds, the Earth's self-regulation mechanisms begin to fail. For example, melting Arctic ice not only raises sea levels but also reduces the albedo effect. White ice reflects sunlight back into space, but when it melts, the deep ocean absorbs heat, further accelerating global warming. It's a self-perpetuating cycle. Climate Change: Scientific Warnings of 1.5°C According to the Intergovernmental Panel on Climate Change report, if global temperatures rise 1.5°C above pre-industrial levels, the consequences will be irreversible. Currently, we have seen an increase of approximately 1.1°C to 1.2°C. According to scientific research, the concentration of carbon dioxide in the atmosphere has now reached 420 ppm (parts per million). This is the highest in the last 3 million years. Researchers have warned that we are very close to "climate tipping points." This means that once the Amazon rainforest is destroyed or the Greenland ice sheet completely melts, no amount of technology will be able to restore it. This isn't just a matter of warming, but a sign of the collapse of the entire global weather system. The Sixth Mass Extinction - There have been five mass extinctions in Earth's history, including the extinction of the dinosaurs. But this "Sixth Mass Extinction" is different because it is entirely human-caused. According to a major study, the current rate of species extinction is 1000 times higher than the normal natural rate. Every year, we are losing thousands of species that have spent millions of years maintaining ecosystem balance. When an insect or small creature goes extinct, it affects the entire food chain. Scientists say this loss of biodiversity is as dangerous as climate change, as it destroys nature's ability to fight diseases and disasters. Oceans: Earth's Lungs in Danger - We often think of forests as Earth's lungs, but scientifically, oceans are the largest oxygen producers and carbon absorbers. More than 50% of the world's oxygen is produced by microscopic marine plants in the oceans. Recent research has shown that ocean temperatures are rising to record levels, leading to ocean acidification. When oceans absorb more carbon dioxide, the acidity of the water increases, killing coral reefs and microscopic marine life. The cycle of ocean currents, which regulates global warming, is slowing down. If this were to stop, the world's weather systems and agricultural systems would collapse. Microplastics and Chemical Pollution - A new and serious threat is posed by "new entities," which include plastics and synthetic chemicals. Scientists have now found particles of "microplastics" in human blood, lungs, and even the placenta. This demonstrates that human-made waste has become an integral part of the Earth's geochemical cycle.

संक्षिप्त समाचार

स्कूल का जर्जर भवन बन रहा छात्रों की जान पर आफत

प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों को कान्वेंट स्कूलों की तर्ज पर सुविधा देने का सरकारी फरमान कागजों में दम तोड़ रहा है। महानगर के कई स्कूलों के साथ ही दूरस्थ क्षेत्र के गामों में स्कूलों की हालत और भी खस्ता है। मुख्यमंत्री के आगामी भ्रमण कार्यक्रमों में सरकारी स्कूलों के भवनों की स्थिति, छात्रों की उपस्थिति, शिक्षकों की संख्या देखे जाने को लेकर विभाग के उच्चाधिकारी के आदेश के बाद भी जिले में शिक्षाधिकारियों की नॉद नहीं टूट रही है। यह स्थिति बिलारी ब्लॉक के एक स्कूल मात्र की नहीं है। कई स्कूलों की हालत जर्जर है। बिलारी ब्लॉक के अन्तर्गत प्राथमिक स्कूल भिंडवारी (अंग्रेजी माध्यम) के भवन की स्थिति जर्जर है। पांच कमरों के इस स्कूल में एक कमरा लगभग दो दशक से इतना जर्जर है कि इसके सीलिंग का प्लास्टर जगह-जगह से उखड़ गया है। दीवारों के ईंटें प्लास्टर गिरे प्लास्टर के झरोखे से बदहाली को निहार रहे हैं। इस स्कूल में वर्तमान में 130 छात्र नामांकित हैं। जबकि नामांकन बढ़ने पर यह संख्या 150 के आसपास पहुंच जाती है। ग्रामीण क्षेत्र में यह अंग्रेजी माध्यम के इस सरकारी स्कूल को बदहाली से बच्चों की शिक्षा पर संकट खड़ा हो रहा है। 15 वर्षों से खस्ताहाल इस कमरे की सुध लेने की जहमत किसी शिक्षाधिकारी ने नहीं उठाई। स्कूल बिलारी-सिरसी मुख्य मार्ग पर स्थिति होने के चलते बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए अधिकतर समय स्कूल का गेट बंद रखना शिक्षकों की लाचारी है। इस स्कूल में प्रधानाध्यापक सहित 6 शिक्षक हैं। लेकिन फिर भी यहां संसाधन को ठीक करने में विभाग की रुचि नहीं दिख रही है। प्राथमिक स्कूल भिंडवारी (अंग्रेजी माध्यम) के प्रधानाध्यापक विशाल यादव का कहना है कि स्कूल के इस जर्जर कमरे का उपयोग छात्रों की पढ़ाई में नहीं हो पाता है। उन्होंने बताया कि 2010 से वह इस दूरस्थ विद्यालय में तैनात हैं। स्कूल के इस जर्जर कमरे को ठीक कराने के लिए उन्होंने ब्लॉक के पूर्व खंड शिक्षाधिकारियों के माध्यम से उच्चाधिकारियों को भी पत्र लिखकर आग्रह किया। लेकिन स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ।



डंपर की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, दो बच्चों समेत चार की मौत..16 घायल मैनाटेर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिलाओं और दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15-16 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा सुबह करीब 5:25 बजे असदपुर पुलिसिया के पास हुआ। जानकारी के अनुसार संभल जनपद के भटौला गांव निवासी नरेश सैनी अपने रिश्तेदारों के साथ गुरुवार रात मुरादाबाद के गुरेर गांव में बेटी की शादी में भात देने गए थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे बजरी से भरे डंपर ने ओवरटेक करने के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे मौके पर चौख-पुकार मच गई। हादसे में 55 वर्षीय शांति देवी पत्नी तोताराम, सुमन पत्नी विनोद और अजित पुत्र विनोद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सृष्टि ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही मैनाटेर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

मुरादाबाद में 4941 रंगरूट बने सिपाही, पासिंग आउट परेड में दिखा गर्व; सीएम योगी ने दिया अनुशासन का मंत्र

मुरादाबाद में पासिंग आउट परेड के दौरान 4941 प्रशिक्षु सिपाही यूपी पुलिस में शामिल हुए। परेड में गर्व और उत्साह का माहौल रहा। लखनऊ से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुशासन पर जोर दिया। मुरादाबाद में रविवार सुबह गर्व और अनुशासन का अनोखा संगम देखने को मिला। छह प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षु सिपाही जब पासिंग आउट परेड में कदमताल करते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बने, तो पूरा माहौल भावुक और उत्साह से भर गया।



बाद मुरादाबाद के छह प्रशिक्षण संस्थानों के कुल 4941 प्रशिक्षु सिपाही रविवार को पासिंग आउट परेड के बाद यूपी पुलिस में शामिल हो गए। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती प्रक्रिया में सफल 60,244 अभ्यर्थियों में से करीब पांच हजार को मुरादाबाद के प्रशिक्षण केंद्रों में भेजा गया था। इनकी ट्रेनिंग 20 जुलाई 2025 से शुरू हुई थी। प्रशिक्षण पुलिस लाइन, पीटीसी, पीटीएस, नौवीं वाहिनी पीएसी, 23वीं वाहिनी पीएसी और 24वीं वाहिनी पीएसी में कराया गया। रविवार

रंगरूटों ने परेड में हिस्सा लिया, जहां डीआईजी यमुना प्रसाद मुख्य अतिथि रहे। पीटीसी में 1455 महिला प्रशिक्षु सिपाहियों ने पासिंग आउट परेड में भाग लिया। यहां एडीजी अमित चंद्र ने सलामी ली। इसके अलावा 23वीं वाहिनी पीएसी में 442, 24वीं वाहिनी पीएसी में 339 और नौवीं वाहिनी पीएसी में 277 महिला सिपाहियों ने पासिंग आउट परेड पूरी कर पुलिस बल में शामिल हुए। ट्रेनिंग के नोडल अधिकारी सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि मुरादाबाद के छह प्रशिक्षण संस्थानों से कुल 4941 प्रशिक्षु सिपाही पास आउट होकर सेवा के लिए तैयार हैं। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ पुलिस लाइन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए नव आरक्षियों को संबोधित किया और उन्हें बधाई दी। उन्होंने महिला सिपाहियों के प्रदर्शन की विशेष सराहना करते हुए कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं।

चंदौसी में टायर ऑयल फैक्टरी में भीषण आग, दमकल की पांच गाड़ियां बुझा रही आग, इलाके में अफरा तफरी



संभल के चंदौसी में टायर ऑयल फैक्टरी में अचानक आग लग गई। मौके पर दमकल की पांच गाड़ियां पहुंची। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। संभल जिले के चंदौसी क्षेत्र में रविवार को पुराने टायरों से तेल निकालने वाली एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की

टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया। आग लगने की सूचना पर कई फायर टेंडर तुरंत मौके पर भेजे गए। फायर स्टेशन के सीओ कृष्ण कांत ओझा ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पाने का काम तेजी से शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि

कांठ में बिना अनुमति आंबेडकर की प्रतिमा लगाई, गांव में भारी हंगामा, तनाव के बीच पहुंची पुलिस

कांठ के मुजफ्फरपुर टांडा गांव में बिना अनुमति डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने पर विवाद हो गया। पुलिस ने प्रतिमा हटवाकर सुरक्षित रखवा दी और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। फिलहाल गांव में पुलिस बल तैनात है। कांठ क्षेत्र के गांव मुजफ्फरपुर टांडा में एक पक्ष के लोगों ने बृहस्पतिवार की रात प्रशासन से अनुमति लिए बिना खाली जगह में चबूतरा बनाकर डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी। दूसरे पक्ष के लोगों ने प्रतिमा देखी तो अगले दिन शुक्रवार की शाम को इस पर आपत्ति जताते हुए पुलिस को सूचना दी। एसएचओ सुदेश पाल सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ रात को ही मौके पर पहुंच गए।



घंटों समझाने के बाद पुलिस ने रात में ही प्रतिमा को हटवा दिया। प्रतिमा लगाने वाले पक्ष की हल्की नोकझोंक भी हुई। इस दौरान जहां प्रतिमा स्थापित की गई थी उसके पास पड़ती कूड़ियों में अज्ञात कारण के चलते आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पुलिस ने अग्निशमन विभाग की टीम को बुलाकर कूड़ियों में लगी आग को बुझवाया। यहां पुलिस मौजूद थी कि शनिवार की सुबह फिर से प्रतिमा रखने वाले पक्ष के तमाम लोग व महिलाएं एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर सीओ शुभम पटेल भी भारी फोर्स के साथ गांव पहुंच गए। प्रतिमा लगाने वाले पक्ष का कहना था कि जहां प्रतिमा स्थापित की गई थी, वह भूमि वर्षों पहले आंबेडकर पार्क के लिए छोड़ी गई थी। यहां वह हर साल बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती भी मनाते हैं। उन्होंने प्रतिमा रखने के बारे में ग्राम प्रधान से भी कहा था। एकत्र लोगों ने यहां से प्रतिमा ले जाने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई और रोष भी व्यक्त किया। समझाने और प्रतिमा वापस देने के आश्वासन के बाद उन्होंने पुलिस को लिखकर भी दे दिया कि उनके द्वारा बिना अनुमति के प्रतिमा लगाई गई थी। अब

श्रीराम सोसायटी में लगे पोस्टर...पूर्णतः हिंदू सनातनी क्षेत्र, मुस्लिम मकान न खरीदें

लाजपत नगर स्थित श्रीराम सोसायटी में धार्मिक आधार पर मकान बिक्री रोकने को लेकर विवादित पोस्टर लगाए गए हैं। लगभग 30 मकानों पर साफ लिखा है ये पूर्णतः हिंदू सनातनी सोसायटी है, यहां मुसलमान मकान न खरीदें। निवासियों का कहना है कि कुछ मकान बिक्री के लिए हैं, लेकिन मुस्लिम खरीदारों के आने से सांस्कृतिक व धार्मिक सौहार्द प्रभावित होगा।



गुलाटी बोले कि पूजा पद्धतियां अलग होने से विवाद संभव है इसलिए पोस्टर लगाए हैं। नीरज अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र की मर्यादाओं का ध्यान रखें। सुरभि अग्रवाल ने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। यह घटना

मुरादाबाद में पुरानी है। 2021 में लाजपत नगर शिव मंदिर कॉलोनी के 81 परिवारों ने मुस्लिमों के मकान खरीदने पर बिकाऊ पोस्टर लगाए थे, जिसे प्रशासन ने आपसी विवाद बताया।

मूढापांडे में बस पलटने से 50 यात्री घायल, चालक नशे की हालत जा रहा था हरियाणा

मूढापांडे क्षेत्र में निजी बस चालक की लापरवाही से अनियंत्रित होकर बस पलट गई। हादसे में 40 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बस में बैठे यात्रियों के अनुसार चालक के स्थान पर हेलपर बस चला रहा था। शुक्रवार की रात हुए हादसे ने परिवहन विभाग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों और जागरूकता अभियानों के बावजूद सड़क हादसे नहीं रुक रहे हैं। शुक्रवार को कम किरायों के लालच में बैठे 150 सवारियों से भरी प्राइवेट बस सीतापुर से हरियाणा के कुंडली जा रही थी। तेज रफ्तार स्लीपर बस रामपुर पार करते ही लहराने लगी थी। घबराए यात्रियों ने कई बार शोर

की जांच शुरू कर दी है। नियमों के पालन को लेकर लापरवाही और निगरानी की कमी सामने आ रही है। वहीं दूसरी ओर, निजी बसों के संचालन पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो सका है। स्थिति यह है कि निजी बसें खुलेआम रोडवेज बस स्टैंड के आसपास से ही सवारियां भर रही हैं और मनमानी तरीके से संचालन कर रही हैं। तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग भी हादसों की बड़ी वजह बन रही है। स्थिति यह है कि निजी बसें

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0ए0प्रिंटेड, ए-11, असाहतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001 (उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नकल पर कड़ा पहरा, प्रशासन सतर्क

डीएम का दूसरे दिन भी परीक्षा केंद्रों पर औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में आयोजित होमगार्ड इनरोलमेंट परीक्षा-2025 के दौरान प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। रविवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने दूसरे दिन भी सक्रियता दिखाते हुए जनपद के विभिन्न केंद्रों का भ्रमण किया। यह परीक्षा जिले के 19 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की जा रही है, जहां अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखी गई। निरीक्षण के दौरान डीएम ने जीआईसी गर्ल्स कॉलेज एवं विष्णु इंटर कॉलेज में प्रथम पाली की परीक्षा का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा कक्षाओं, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली को बारीकी से परखा। सभी केंद्रों पर परीक्षा



शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित होती पाई गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि

पारदर्शिता और शुचिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (नगर) सौरभ दुबे, उप जिलाधिकारी राम जनम यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे और व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने में जुटे रहे।

एमबी इंटर कॉलेज मैदान में आग लगने से मचा हड़कंप, अग्नि शमन विभाग ने आग पर पाया काबू

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना प्रेमनगर क्षेत्र अंतर्गत एमबी इंटर कॉलेज के मैदान में अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग तुरंत सक्रिय हो गया। अग्निशमन अधिकारी मनु शर्मा के नेतृत्व में दो फायर यूनिट तत्काल घटना स्थल के लिए रवाना की गईं। मौके पर पहुंचकर जांच करने पर पाया गया कि कॉलेज मैदान में पानी और बिजली से जुड़े पाइपों में आग ने भयंकर रूप ले रखा था, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल कर्मियों ने तुरंत मोटर फायर इंजन से होज पाइप लाइन बिछाकर पंपिंग के जरिए आग बुझाने का कार्य शुरू किया। आग की तीव्रता अधिक होने के कारण फायर स्टेशन सिविल लाइन से दो अतिरिक्त मोटर फायर इंजन भी मौके पर बुलाए गए



और राहत कार्य में लगाए गए। कड़ी मशकत के बाद कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया, जिससे किसी बड़े नुकसान को टाल दिया

गया। घटना स्थल पर वन पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार एवं सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया।

मुरादाबाद में पारा 40 डिग्री के पार, सभी स्कूलों का समय बदला, साढ़े सात से 12:30 बजे तक खुलेंगे विद्यालय

तेज गर्मी और लू से जनजीवन प्रभावित हो गया है। इसके साथ ही मुरादाबाद का तापमान 40 डिग्री पार कर गया है। भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने स्कूलों का समय सुबह 7:30 से 12:30 बजे तक कर दिया है। अप्रैल माह के आखिरी दिनों में सूरज की तपिश और गर्म हवाओं ने जनजीवन बेहाल कर दिया है। शनिवार 25 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40 डिग्री के ऊपर रहा। वर्ष 2025 को छोड़ दें तो 2015 के बाद से 25 अप्रैल का यह पारा सबसे अधिक है। भीषण गर्मी से बच्चों को बचाने के लिए जिला प्रशासन ने स्कूलों का समय बदल दिया है। अब स्कूल सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर 12:30 बजे तक खुलेंगे। आमतौर पर मई माह में तापमान 40-45 डिग्री के बीच रहता है, वहीं इस साल अप्रैल के आखिरी सप्ताह में ही पारा 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लू का असर साफ दिख रहा है और मुरादाबाद भी इसकी चपेट में है। दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक सड़कों पर आवागमन बहुत कम हो जाता है। भीषण गर्मी और लू से खुद को बचाने के लिए लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हैं। लगातार बढ़ रही गर्मी से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। मौसम विज्ञान विभाग के डाटा संग्रह केंद्र के प्रभारी निसार अहमद ने बताया कि शनिवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह तापमान सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस अधिक है। पिछले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में .7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वातावरण में सुबह की नमी 45 फीसदी और शाम की नमी 23 फीसदी दर्ज की गई। हवा की गति पश्चिम दिशा से दस किलोमीटर प्रति घंटा रही। निसार अहमद ने बताया कि रविवार को हीट वेव चलने का अलर्ट जारी किया गया है।

बरेली RTC से निकलीं 783 शेरनियां : पासिंग आउट परेड जोश में गूंजी पुलिस लाइन बेटियों ने पासिंग आउट परेड में ली देश सेवा की शपथ

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस ट्रेनिंग सेंटर (ऋद्ध) का मैदान शुक्रवार को गर्व, जोश और सम्मान के अद्भुत संगम का गवाह बना। 783 महिला ट्रेनी कांस्टेबलों ने शानदार पासिंग आउट परेड में हिस्सा लेकर देश सेवा की शपथ ली। जैसे ही वर्दी में सजी इन बेटियों के कदम मैदान पर पड़े, तालियों की गूंज और माता-पिता की नम आंखों ने माहौल को भावुक बना दिया परेड की सलामी लेने पहुंचे - ऋद्ध रमित शर्मा ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि आज 783 महिला ट्रेनी कांस्टेबलों ने पासिंग आउट परेड के साथ जनसेवा की दिशा में अपना पहला कदम बढ़ाया है। यह पल हर सिपाही के जीवन में हमेशा के लिए यादगार बन जाता है। उन्होंने सभी जवानों को ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवा करने का संदेश दिया। महीनों की कठिन ट्रेनिंग के बाद तो माता-पिता की आंखें गर्व से छलक उठीं। हर चेहरे पर



ने परेड के दौरान हथियार संचालन, दंगा नियंत्रण और फोल्ड क्राफ्ट का दमदार प्रदर्शन किया। हर एक कदम में आत्मविश्वास और देशभक्ति साफ झलक रही थी। जब बेटियां वर्दी में नजर आईं, तो माता-पिता की आंखें गर्व से छलक उठीं। हर चेहरे पर

खुशी और संतोष साफ दिखाई दे रहा था। इन 783 महिला कांस्टेबलों की तैनाती अब प्रदेश के अलग-अलग जिलों में की जाएगी। महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में ये नई फोर्स अहम भूमिका निभाएंगी।

ब्लॉक में फंसी अवध-असम 40 मिनट रुकी, परीक्षार्थी हुए परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। आसमान से बरसती आग के साथ रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों की सुस्त चाल ने यात्रियों का पसीना निकालना शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ रेल प्रशासन की तरफ से लिए जाने वाले ब्लॉक आम यात्रियों के सब्र का इम्तिहान ले रहे हैं। रविवार दोपहर बरेली जंक्शन पर अवध असम एक्सप्रेस ने यात्रियों का पसीना छुड़ा दिया। पहले जंक्शन लेट पहुंची अवध असम एक्सप्रेस को करीब 40 मिनट जंक्शन पर खड़ा कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक मुरादाबाद- लखनऊ रेल मार्ग पर अलग-अलग सेक्शनों में रविवार को ब्लॉक लिए गए



थे। जिसकी वजह से ट्रेनों को रोक-रोक कर चलाया जा रहा था। जिसकी वजह से ट्रेनों के इंटरजार में यात्रियों को परेशान होना पड़ा। 15910 अवध असम एक्सप्रेस के इंटरजार में प्लेटफार्म पर खड़े-खड़े यात्रियों की हालत

खराब हो गई। अपने निर्धारित समय से दो घंटा से ज्यादा की देरी ट्रेन जंक्शन तो पहुंची मगर दिक्रत उस वक्त खड़ी हो गई जब 40 मिनट तक ट्रेन को प्लेटफार्म नंबर एक पर खड़ा कर दिया गया।

गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत रायपुर, छत्तीसगढ़ में 27 अप्रैल 2026 को गो सम्मान दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / प्रवीण शर्मा / रायपुर के सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत एक विशाल प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस प्रेस वार्ता का उद्देश्य आगामी 27 अप्रैल 2026 को समस्त तहसीलों में आयोजित होने वाले ज्ञापन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में देशभर के पूज्य साधु-संतों-गो ग्वाल संत गोपालानंद सरस्वती जी महाराज, बालयोगेश्वर रामबालदास जी महाराज एवं श्री सुरभि दास जी महाराज-के सान्निध्य में पत्रकार बंधुओं के प्रश्नों का उत्तर दिया गया। साथ ही बड़ी संख्या में उपस्थित गो सेवक-सेविकाएं, गो पालक, समाजसेवी, समाज प्रमुख, व्यापारी वर्ग, एनजीओ प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों को अभियान की विस्तृत



जानकारी दी गई। गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत दिनांक 27 अप्रैल 2026 (सोमवार) को पूरे भारतवर्ष में एक साथ 5000 से अधिक तहसीलों में प्रार्थना पत्र (ज्ञापन) सौंपे जाएंगे। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के 33 जिलों की 229 तहसीलों में भी यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राजधानी रायपुर में इस अवसर पर सभी श्रद्धालु प्रातः 10:00 बजे माँ महामाया मंदिर में एकत्रित होंगे। वहां से शांतिपूर्ण भजन-कीर्तन करते हुए तहसील कार्यालय तक यात्रा निकाली जाएगी, जहाँ आम जनमानस द्वारा प्रार्थना पत्र (ज्ञापन) प्रस्तुत किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गो माता को राष्ट्र

माता का सम्मान दिलाना तथा गो माता एवं गोवंश की सेवा, सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। यह अभियान पूर्णतः शांतिपूर्ण, श्रद्धा एवं आस्था से प्रेरित जन-जागरण का माध्यम है, जिसमें किसी प्रकार का विरोध-प्रदर्शन नहीं किया जाएगा, बल्कि भजन-कीर्तन एवं प्रार्थना के माध्यम से भावनाएं व्यक्त की जाएंगी। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि यह अभियान किसी एक संगठन या व्यक्ति द्वारा संचालित न होकर, साधु-संतों के मार्गदर्शन में गो सेवक-सेविकाएं, गो पालक, प्रकृति प्रेमी, समाजसेवी एवं आम नागरिकों के सामूहिक सहयोग से संचालित हो रहा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

90 दिन में ले लें पीएनजी कनेक्शन, इसके बाद नहीं दी जाएगी एलपीजी

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि जिन क्षेत्रों में पीएनजी की पाइपलाइन बिछ चुकी है, वहां के निवासियों को 90 दिनों के भीतर कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। इसके बाद उपभोक्ताओं की एलपीजी आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। कलेक्ट्रेट सभागार में तेल और गैस कंपनियों के प्रबंधकों के साथ बैठक में डीएम ने कहा कि जिले में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है। किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। बैठक में सीयूजीएल के अफसरों ने जानकारी दी कि ग्रीन पार्क और महानगर के 80 प्रतिशत घरों में पीएनजी पहुंच चुकी है, सुभाषनगर के शांति विहार में भी आपूर्ति शुरू कर दी गई है।



श्रीमद् भागवत कथा 28 अप्रैल से 4 मई तक श्री हरि मंदिर में आयोजित होगी

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाउन में 28 अप्रैल से चार मई तक श्रीमद् भागवत कथा आयोजित की जाएगी। यह जानकारी श्री श्यामा श्याम रसिक परिवार के पंकज गुप्ता एक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि संस्था के राहुल जौहरी ने विस्तार पूर्वक बताया कि श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का आयोजन श्री श्यामा श्याम रसिक परिवार के सानिध्य में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण रसिक परिवार अत्यंत हर्षोल्लास के साथ तैयारियों में संलग्न है और प्रत्येक सदस्य अपनी श्रद्धा एवं उत्साह से इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दे रहा है। विशेष रूप से आयोजन 28 अप्रैल 2026 (मंगलवार) प्रातः 09:00 बजे श्री रामायण मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकलेगी, जो मॉडल टाउन क्षेत्र में पूज्य श्री महाराज जी के साथ भ्रमण कर पुनः श्री हरि मंदिर पर सम्पन्न होगी। इस यात्रा में लगभग 108 कलशों द्वारा शोभायमान कलश यात्रा की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कलश यात्रा हेतु पुष्प सज्जा, भजन-कीर्तन एवं भक्तों की सहभागिता की विशेष व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि कथा का आयोजन प्रतिदिन सायं 05:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक होगा, जिसमें पूज्य महाराज श्री जी द्वारा भागवत महात्म्य, व्यास नारद संवाद, कुन्ती एवं भीष्म पितामह स्तुति, राजा बलि प्रसंग, रुक्मिणी मंगल महोत्सव, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव आदि का रसपूर्ण वर्णन किया जाएगा एवं आरती उपरांत प्रसाद वितरण होगा। 04 (सोमवार) को कथा का समय प्रातः 09:00 बजे से 12:00 बजे तक होगा, तत्पश्चात् हवन, पूर्णाहुति उपरांत कथा का विश्राम होगा। इस आयोजन में 02 मुख्य यजमान तथा प्रतिदिन के दिवस यजमान निर्धारित किए गए हैं, जो नवग्रह पूजन आदि सम्पन्न करेंगे। इसके लिए विशेष रूप से श्रीधाम वृंदावन से विद्वान पंडितगण पधार रहे हैं। राहुल जौहरी ने यह भी बताया कि पूज्य महाराज जी पूर्व में भी कई बार बरेली में कथा वाचन कर चुके हैं। अतः इस बार भी उनके आगमन को लेकर समस्त रसिकजन अत्यंत हर्षोल्लासित हैं। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से अनिल गुप्ता, प्रमोद अग्रवाल ए के सिंह श्याम कृष्ण गुप्ता, मनोज छिब्वर, मुकेश रस्तोगी, संजीव रस्तोगी, सरल सक्सेना, राजीव गौड़, एकांश गुप्ता, अमर सिंह गोवर्धन यादव, मनोज घई, संजय गुप्ता, शिवम् अग्रवाल, दीपक मेहरा, शशांक शेखर सुमित अग्रवाल, सजल अग्रवाल, विना अरोडा, प्रेम नारायण केसरवानी, अवधेश रस्तोगी, हरीश रस्तोगी सहित संस्था के समस्त समानित सदस्यगण उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knslive@gmail.com

Cockroach Removal Tips: Cockroaches will disappear overnight, try these 5 home remedies

To get rid of cockroaches in the kitchen, maintain cleanliness, avoid leaving food uncovered, use baking soda and lemon, and seal any cracks.

These remedies are extremely effective in keeping cockroaches away. The home, where cleanliness and hygiene are essential. However, pests like cockroaches often make this area dirty and unsanitary. They not only contaminate food and drinks but can also cause various diseases. Their numbers increase rapidly, especially during the summer and rainy seasons, causing everyone distress. If you're troubled by recurring cockroaches in your kitchen and have tried every method, stop worrying. In this article, we'll share some easy, home-made, and effective remedies that can help you get rid of them forever. These tips are not only safe but will also help keep your home clean - Cockroaches thrive in filth, so always keep the kitchen clean. Clean after cooking. Throw out the garbage. Cockroaches dislike the smell of lemon, so use it in areas where they frequent. Don't leave food to the smell of food. Therefore, store all food in airtight containers and clean and seal these areas to prevent their entry. Use natural repellents - Natural remedies like jasmine, cloves, or neem leaves help keep cockroaches away. Place them in kitchen corners.



Use lemon and baking soda - Make a mixture of baking soda and lemon. Cockroaches frequent. Don't leave food to the smell of food. Therefore, store all utensils before going to bed. Seal cracks through cracks in walls and around pipes.

Fresh Vegetable Buying Tips: Identify fresh vegetables in 2 minutes with these tricks to avoid bringing home spoiled vegetables.

To identify fresh vegetables, pay attention to their color, firmness, weight, and the shine of their peel. Bitter gourd should be green and firm, bottle gourd should be light and without blemishes, and pumpkin should be heavy.

We did you know that choosing the right and fresh vegetables is an art? Often, people buy vegetables without consideration, causing them to spoil quickly or taste bad. Vegetables like bitter melon, bitter melon, and bottle gourd may look good on the outside but may turn out to be rotten or bitter on the inside. Fresh vegetables not only enhance the taste of food but are also vital for health. Choosing the right vegetables can save money and improve the quality of food.

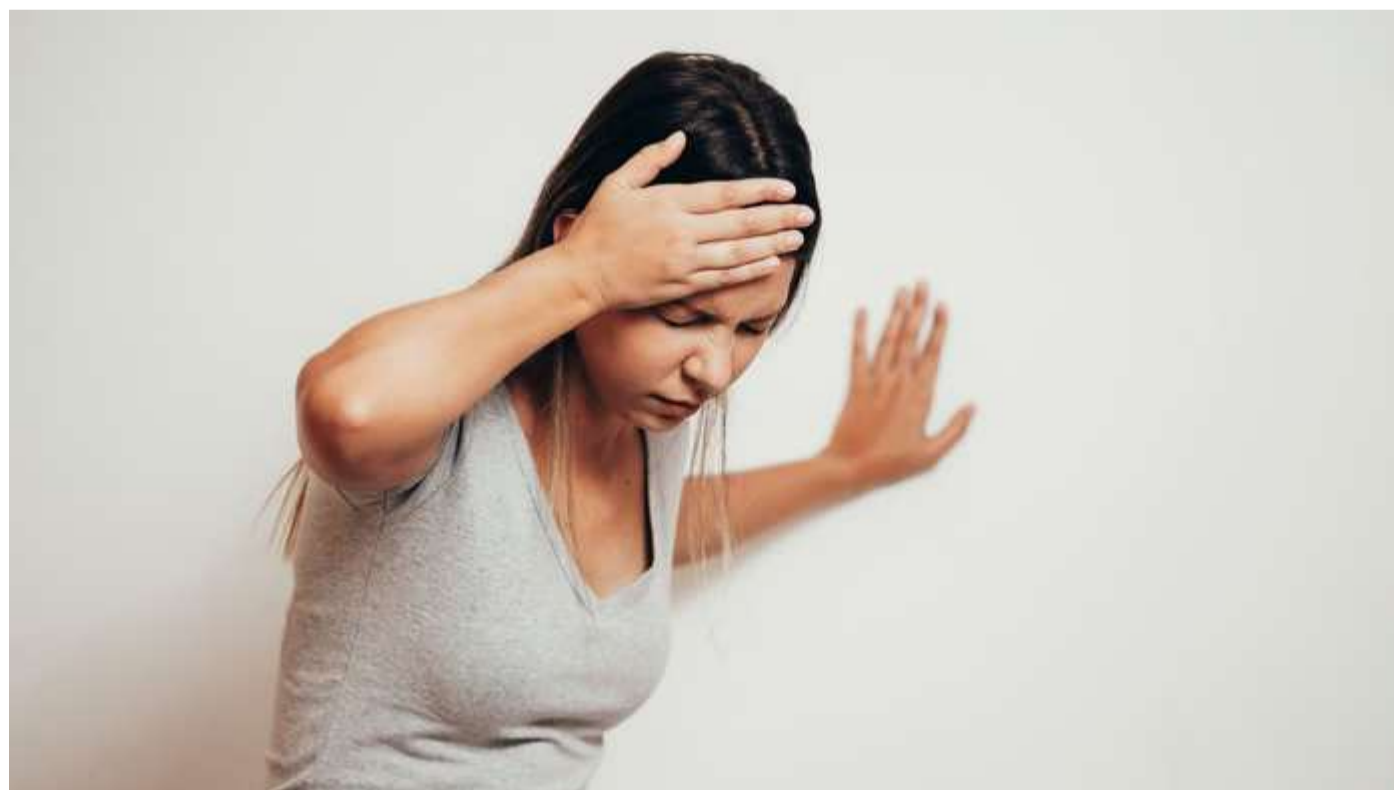


If you also want to always have fresh and high-quality vegetables in your kitchen, then this article is for you. Here, we'll show you simple and effective ways to identify common vegetables like bitter melon, bottle gourd, and pumpkin, helping you make the right choice every time. How to Identify Fresh Vegetables? When choosing a fresh vegetable, keep these things in mind: Fresh bitter melon is dark green and firm. Overly yellow or soft bitter melons may be old. Smaller, thinner bitter melons taste better. The right way to buy a gourd: The gourd should always be light green and smooth. Avoid any blemishes or cuts. If the gourd feels hard when pressed with your thumb, it's fresh. Check the pumpkin for these: The pumpkin should be heavy and firm. Its color should be dark and uniform. If the pumpkin feels light, it may be dry inside. Identifying Fresh Ladyfinger: To buy fresh ladyfinger, look for its dark color, softness, and short length. The easiest way is to break the tip of the ladyfinger. If it snaps easily, it's fresh. Smart tips for shopping at the market: Shop early in the morning. Choose a vendor who stands out from the crowd. Buy from the same shop repeatedly. Ask for fresh stock. The right way to store vegetables: After purchasing fresh vegetables, it's important to store them properly. Keep them dry before refrigeration and avoid storing them for extended periods.

heavy. We choose the vegetables carefully, causing them to spoil quickly or taste bad. Fresh vegetables not only enhance the taste of food but are also vital for health. Choosing the right vegetables can save money and improve the quality of food.

Symptoms of Heat Exhaustion: If you notice these symptoms, understand that you are suffering from heat exhaustion!

Heat exhaustion is a very common problem during the summer season, but even today, people are unaware of its symptoms. Here, we will provide information about it. As soon as summer arrives, the effects of temperature, intense sunlight, humidity, and heat exhaustion are rapidly felt. The body cannot tolerate excessive heat. Importantly, even today, most people ignore its early symptoms, which can lead to a serious condition. Heat exhaustion is not just fatigue, but a warning signal from the body that immediate attention is needed. Without timely identification and proper treatment, it can develop into a dangerous condition like heat stroke. Therefore, it is important that everyone has accurate information about its symptoms, causes, and prevention methods in the heat. Symptoms of heat exhaustion: fatigue, dizziness, fainting, headache, clammy skin, rapid or weak pulse. Causes of heat exhaustion: Prolonged physical exertion, wearing tight or heavy clothing, salt deficiency. Preventive measures: In summer, the body loses water and essential electrolytes in the form of sweat. Therefore, it is important to drink water at regular intervals, not just when thirsty. Drinking 8-10 glasses of water throughout the day, along with ORS, lemon juice, and coconut water, keeps the body hydrated and prevents heat exhaustion. Wearing light-colored, loose-fitting clothing, such as cotton, should be worn in summer. These help keep the body cool and allow sweat to dry quickly. What to do when symptoms appear: As soon as you experience symptoms like dizziness, weakness, or excessive sweating, immediately move out of the sun and sit in a cool or shady place. Taking a cold shower, wiping the body with a wet cloth, or placing a cold compress on the forehead are very effective. Rest is essential for the body to fully recover. Excessive movement or work can worsen the condition. If a person experiences serious problems like fainting, high fever, vomiting, or confusion, this could be a sign of heat stroke. In such cases, it is important to seek medical help immediately, as delay can prove dangerous. Note: This article has been prepared based on information collected from medical reports.



on the body become clearly visible. Due to constantly increasing heat, the problem of heat exhaustion is rapidly increasing. This condition arises when the body and begins to lose water and salt. people ignore its early symptoms, which can lead to a serious condition. Heat exhaustion is not just fatigue, but a warning signal from the body that immediate attention is needed. Without timely identification and proper treatment, it can develop into a dangerous condition like heat stroke. Therefore, it is important that everyone has accurate information about its symptoms, causes, and prevention methods in the heat. Symptoms of heat exhaustion: fatigue, dizziness, fainting, headache, clammy skin, rapid or weak pulse. Causes of heat exhaustion: Prolonged physical exertion, wearing tight or heavy clothing, salt deficiency. Preventive measures: In summer, the body loses water and essential electrolytes in the form of sweat. Therefore, it is important to drink water at regular intervals, not just when thirsty. Drinking 8-10 glasses of water throughout the day, along with ORS, lemon juice, and coconut water, keeps the body hydrated and prevents heat exhaustion. Wearing light-colored, loose-fitting clothing, such as cotton, should be worn in summer. These help keep the body cool and allow sweat to dry quickly. What to do when symptoms appear: As soon as you experience symptoms like dizziness, weakness, or excessive sweating, immediately move out of the sun and sit in a cool or shady place. Taking a cold shower, wiping the body with a wet cloth, or placing a cold compress on the forehead are very effective. Rest is essential for the body to fully recover. Excessive movement or work can worsen the condition. If a person experiences serious problems like fainting, high fever, vomiting, or confusion, this could be a sign of heat stroke. In such cases, it is important to seek medical help immediately, as delay can prove dangerous. Note: This article has been prepared based on information collected from medical reports.

"I don't feel suffocated," why does Jackky Bhagnani consider his marriage to Rakul Preet Singh a situational affair?

Producer-actor Jackky Bhagnani spoke about his marriage to actress Rakul Preet Singh. He also revealed the changes that have occurred since marriage and how he views their relationship. Rakul Preet Singh and Jackky Bhagnani are one of B-town's cutest couples. They often give couple goals together. Recently, Jackky Bhagnani spoke about his relationship. He said that despite being married, he considers their relationship a situational affair. Jackky also talked about their bond. Jackky Bhagnani and Rakul Preet Singh of the YouTube channel Zingabab. During the reasons for their marriage and the changes in explained that we told each other that we're not both seen many ups and downs in life. I'm a looking for someone to fill a void in my life, comes into my life, I'll remain sad. You're also we're even happier. To this, Rakul replied that other's lives. "It's not that I'm sad because you go on vacation alone. I think there are more life. I don't hide anything," Jackie said. "Rakul relationship is a kind of situational relationship. other, because that's what marriage is for. But can tell her everything openly." If any of my ex-around, I don't hesitate to talk on don't hide anything from my wife. I don't hide suffocated. The two got married in 2024 - Rakul Preet Singh and Jackky Bhagnani dated for three years before getting married on February 21, 2024. They had a beautiful destination wedding in Goa. Rakul and Jackky shared the official pictures of their wedding on Instagram. At the wedding, Rakul wore a pink-peach colored lehenga, which was studded with lots of diamonds.



Jackky Bhagnani and Rakul Preet Singh are one of B-town's cutest couples. They often give couple goals together. Recently, Jackky Bhagnani said that despite being married, he considers their relationship a situational affair. Jackky also talked about their bond. Jackky Bhagnani and Rakul Preet Singh of the YouTube channel Zingabab. During the reasons for their marriage and the changes in explained that we told each other that we're not both seen many ups and downs in life. I'm a looking for someone to fill a void in my life, comes into my life, I'll remain sad. You're also we're even happier. To this, Rakul replied that other's lives. "It's not that I'm sad because you go on vacation alone. I think there are more life. I don't hide anything," Jackie said. "Rakul relationship is a kind of situational relationship. other, because that's what marriage is for. But can tell her everything openly." If any of my ex-around, I don't hesitate to talk on don't hide anything from my wife. I don't hide suffocated. The two got married in 2024 - Rakul Preet Singh and Jackky Bhagnani dated for three years before getting married on February 21, 2024. They had a beautiful destination wedding in Goa. Rakul and Jackky shared the official pictures of their wedding on Instagram. At the wedding, Rakul wore a pink-peach colored lehenga, which was studded with lots of diamonds.

The story of 'Dronacharya' will now be seen on the big screen; the trailer for the AI-based mythology film has been released; its VFX will astonish.

The trailer for the AI-based mythology film 'Dronacharya' was released today. Currently, there's a trend of making films based on mythology. In this vein, a new film is coming. This film, titled 'Dronacharya,' is based on Guru film. The trailer for the film was - The 2-minute 37-second trailer for the was released today. The 2-minute 37-Kurukshetra, where Lord Krishna the conch. The trailer depicts the story key characters from the Mahabharata. spectacular scenes showcasing the trailer are captivating, adding to the also features dialogues between Guru The trailer depicts Dronacharya's Bhishma Pitamah and Arjuna, and from the Mahabharata. The VFX in will be released in June. While the the makers have confirmed that the film by Vibhu Agarwal: The film is co-Kanhaiya Mittal, and produced by Bharat Next Gen Digital Pvt. Ltd. The story is written by Shweta Mishra.



Dronacharya. However, it's an AI released today. What's in the trailer? AI ??mythology film 'Dronacharya' second trailer begins in begins the war with the blowing of of the Mahabharata and introduces The trailer features several excellent VFX. The war scenes in the excitement for the film. The trailer Dronacharya and Lord Krishna. anger and skill, the battle between Shikhandi, along with several events the trailer are impressive. The film release date hasn't been revealed yet, will hit theaters in June. Produced produced by Vibhu Agarwal and

Yami Gautam learned the Quran for this film, the director revealed, saying, "We learned to understand Islamic law.."

Yami Gautam is renowned for her diverse roles. A director of Yami Gautam's film has revealed that the actress learned the Quran for his film. Filmmaker Supan Verma and Yami Gautam recently collaborated on a film. The director has made several revelations about this film, including the fact that Yami Gautam had to learn the Quran for this film. Which film did Yami learn the Quran for? The film "Haq" was released in November 2025. It stars Yami Gautam and Emraan Hashmi. Yami learned to read the Quran for this film. Supan Verma recently told the BBC that Yami studied the Quran for her role. The team spent a year and a half understanding Islamic law to make the film. Supan further stated that nowadays is the "era of misinformation," so he tried to present accurate and rational information in the film. Yami Gautam also expressed her happiness over the film's positive reviews, writing on social media that she was overwhelmed by people's honest opinions and positivity. The story of "Haq" is set in the 1970s. Yami Gautam plays the wife of a lawyer named Shazia Bano. Her husband remarries and refuses to provide her with alimony. Following this, Shazia fights for her rights in court. "Haq" is available on OTT platforms. Made with a budget of ₹40 crore, "Haq" grossed only around ₹30 crore. The film received positive reviews from audiences and critics, but was not a major box office success. After its theatrical release, "Haq" is streaming on OTT platforms. The film, which explores issues of justice, can now be seen on Netflix.



Yami Gautam is renowned for her diverse roles. A director of Yami Gautam's film has revealed that the actress learned the Quran for his film. Filmmaker Supan Verma and Yami Gautam recently collaborated on a film. The director has made several revelations about this film, including the fact that Yami Gautam had to learn the Quran for this film. Which film did Yami learn the Quran for? The film "Haq" was released in November 2025. It stars Yami Gautam and Emraan Hashmi. Yami learned to read the Quran for this film. Supan Verma recently told the BBC that Yami studied the Quran for her role. The team spent a year and a half understanding Islamic law to make the film. Supan further stated that nowadays is the "era of misinformation," so he tried to present accurate and rational information in the film. Yami Gautam also expressed her happiness over the film's positive reviews, writing on social media that she was overwhelmed by people's honest opinions and positivity. The story of "Haq" is set in the 1970s. Yami Gautam plays the wife of a lawyer named Shazia Bano. Her husband remarries and refuses to provide her with alimony. Following this, Shazia fights for her rights in court. "Haq" is available on OTT platforms. Made with a budget of ₹40 crore, "Haq" grossed only around ₹30 crore. The film received positive reviews from audiences and critics, but was not a major box office success. After its theatrical release, "Haq" is streaming on OTT platforms. The film, which explores issues of justice, can now be seen on Netflix.